Rights अधिकार

WHAT ARE RIGHTS?

A right is essentially an entitlement or a justified claim. It denotes what we are entitled to as citizens, as individuals and as human beings.

अधिकार क्या हैं?

अधिकार मूल रूप से हकदारी अथवा एसा दावा है जिसका औचित्य सिद्ध हो। यह बताता है कि नागरिक, व्यक्ति और मनुष्य होने के नाते हम किसके हकदार हैं।

Rights अधिकार

Rights are primarily those claims that I along with others regard to be necessary for leading a life of respect and dignity. In fact, one of the grounds on which rights have been claimed is that they represent conditions that we collectively see as a source of selfrespect and dignity. For example, the right to livelihood may be considered necessary for leading a life of dignity. Being gainfully employed gives a person economic independence and thus is central for his/her dignity. Having our basic needs met gives us freedom to pursue our talents and interests. Or, take the right to express ourselves freely. This right gives us the opportunity to be creative and original, whether it be in writing, or dance, or music, or any other creative activity. But freedom of expression is also important for democratic government since it allows for the free expression of beliefs and opinions. Rights such as the right to a livelihood, or freedom of expression, would be important for all human beings who live in society and they are described as universal in nature.

Rights अधिकार

अधिकार उन बातों का द्योतक है, जिन्हें मैं और अन्य लोग सम्मान और गरिमा का जीवन बसर करने के लिए महत्त्वपूर्ण और आवश्यक समझते हैं। उदाहरण के लिए, आजीविका का अधिकार सम्मानजनक जीवन जीने के लिए ज़रूरी है। लाभकर रोज़गार में नियोजित होना व्यक्ति को आर्थिक स्वतंत्रता देता है, इसीलिए यह उसकी गरिमा के लिए प्रमुख है। अपनी बुनियादी ज़रूरतों की पूर्ति हमें अपनी प्रतिभा और रुचियों की ओर प्रवृत्त होने की स्वतंत्रता प्रदान करती है यहां हम स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार का उदाहरण ले सकते हैं। यह अधिकार हमें सृजनात्मक और मौलिक होने का मौका देता है – चाहे यह लेखन के क्षेत्र में हो अथवा नृत्य, संगीत या किसी अन्य रचनात्मक क्रियाकलाप में। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतांत्रिक सरकार के लिए भी महत्त्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह विश्वासों और मतों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति की अनुमति देती है। आजीविका का अधिकार या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे अधिकार समाज में रहने वाले तमाम लोगों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। इसी वजह से उनकी प्रकृति विश्वजनीन कही जाती हैं।

Rights अधिकार

Another ground on which rights have been claimed is that they are necessary for our well-being. They help individuals to develop their talents and skills. A right like the right to education, for instance, helps to develop our capacity to reason, gives us useful skills and enables us to make informed choices in life. It is in this sense that education can be designated as a universal right. However, if an activity is injurious to our health and well-being it cannot be claimed as a right. For instance, since medical research has shown that prohibited drugs are injurious to one’s health and since they affect our relations with others, we cannot insist that we have a right to inhale or inject drugs or smoke tobacco.

Rights अधिकार

अधिकारों की दावेदारी का दूसरा आधार यह है कि वे हमारी बेहतरी के लिए आवश्यक हैं। ये लोगों को उनकी दक्षता और प्रतिभा विकसित करने में सहयोग देते हैं। उदाहरणार्थ, शिक्षा का अधिकार हमारी तर्क–शक्ति विकसित करने में मदद करता है, हमें उपयोगी कौशल प्रदान करता है और जीवन में सूझ–बूझ के साथ चयन करने में सक्षम बनाता है। व्यक्ति के कल्याण के लिए इस हद तक शिक्षा को अनिवार्य समझा जाता है कि उसे सार्वभौम अधिकार माना गया है। बहरहाल, अगर कोई कार्यकलाप हमारे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए नुकसानदेह है, तो उसे अधिकार नहीं माना जा सकता। उदाहरण के लिए, डॉक्टरी शोध ने यह प्रमाणित किया है कि नशीली दवाएँ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं और चूँकि ये अन्यों के साथ हमारे रिश्तों पर दुष्प्रभाव डालती हैं, इसलिए हम यह दावा नहीं कर सकते कि हमें नशीले पदार्थों के सेवन करने या सुई लगाने या धूम्रपान का अधिकार होना चाहिए।

Rights अधिकार

WHERE DO RIGHTS COME FROM?

In the seventeenth and eighteenth centuries, political theorists argued that rights are given to us by nature or God. The rights of men were derived from natural law. This meant that rights were not conferred by a ruler or a society, rather we are born with them. As such these rights are inalienable and no one can take these away from us. They identified three natural rights of man: the right to life, liberty and property. All other rights were said to be derived from these basic rights. The idea that we are born with certain rights, is a very powerful notion because it implies that no state or organisation should take away what has been given by the law of nature. This conception of natural rights has been used widely to oppose the exercise of arbitrary power by states and governments and to safeguard individual freedom.

Rights अधिकार

अधिकार कहां से आते हैं?

सतरहवीं और अठारहवीं शताब्दी में राजनीतिक सिद्धांतकार तर्क देते थे कि हमारे लिए अधिकार प्रकृति या ईश्वर प्रदत्त हैं। हमें जन्म से वे अधिकार प्राप्त हैं। परिणामतः कोई व्यक्ति या शासक उन्हें हमसे छीन नहीं सकता। उन्होंने मनुष्य के तीन प्राकृतिक अधिकार चिन्हित किये थे– जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार और संपत्ति का अधिकार। अन्य तमाम अधिकार इन बुनियादी अधिकारों से ही निकले हैं। हम इन अधिकारों का दावा करें या न करें, व्यक्ति होने के नाते हमें ये प्राप्त हैं। यह विचार कि हमें जन्म से ही कुछ खास अधिकार प्राप्त हैं, काफी शक्तिशाली अवधारणा है। क्योंकि इसका अर्थ यह है 'जो ईश्वर प्रदत्त है' और उन्हें कोई मानव शासक या राज्य हमसे छीन नहीं सकता। प्राकृतिक अधिकारों के विचार का इस्तेमाल राज्यों अथवा सरकारों के द्वारा स्वेच्छाचारी शक्ति के प्रयोग का विरोध करने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए किया जाता था।

Rights अधिकार

- In recent years, the term human rights is being used more than the term natural rights. This is because the idea of there being a natural law, or a set of norms that are laid down for us by nature, or God, appears unacceptable today. Rights are increasingly seen as guarantees that human beings themselves seek or arrive at in order to lead a minimally good life.

- हाल के वर्षों में प्राकृतिक अधिकार शब्द से ज़्यादा मानवाधिकार शब्द का प्रयोग हो रहा है। एसा इसलिए क्योंकि उनके प्राकृतिक होने का विचार आज अस्वीकार्य लगता है। एसा मानना भी मुश्किल होता जा रहा है कि कुछ नियम–आदर्श एसे हैं जिन्हें प्रकृति या ईश्वर ने रचा है। अधिकारों को एसी गारंटियों के रूप में देखने की प्रवृत्ति बढ़ी है जिन्हें मनुष्य ने एक अच्छा जीवन जीने के लिए स्वयं ही खोजा या पाया है।

Rights अधिकार

- The assumption behind human rights is that all persons are entitled to certain things simply because they are human beings. As a human being each person is unique and equally valuable. This means that all persons are equal and no one is born to serve others. Each of us possesses an intrinsic value, hence we must have equal opportunities to be free and realise our full potential. This conception of a free and equal self is increasingly being used to challenge existing inequalities based on race, caste, religion and gender. Today, the UN Universal Declaration of Human Rights builds upon this understanding of rights and it attempts to recognise those claims that the world community collectively sees as being important for leading a life of dignity and self-respect.

Rights अधिकार

- मानव अधिकारों के पीछे मूल मान्यता यह है कि सभी लोग, मनुष्य होने मात्र से कुछ चीज़ों को पाने के अधिकारी हैं। एक मानव के रूप में हर आदमी विशिष्ट और समान महत्त्व का है। इसका अर्थ यह है कि एक आंतरिक दृष्टि से सभी मनुष्य समान हैं और कोई भी व्यक्ति दूसरों का नौकर होने के लिए पैदा नहीं हुआ है। सभी मनुष्य एक आन्तरिक मूल्य से संपन्न होते हैं और उन्हें स्वतंत्र रहने तथा अपनी पूरी संभावना को साकार करने का समान अवसर मिलना चाहिए। इस विचार का इस्तेमाल नस्ल, जाति, धर्म और लिंग पर आधारित मौजूदा असमानताओं को चुनौती देने के लिए किया जाता रहा है।

Rights अधिकार

- The notion of universal human rights has been used by oppressed people all over the world to challenge laws which segregate them and deny them equal opportunities and rights. In fact, it is through the struggles of groups that have felt excluded that the interpretation of existing rights has sometimes been altered. Slavery has, for instance, been abolished, but there are other struggles that have only had a limited success. Even today there are communities struggling to define humanity in a way which includes them.

Rights अधिकार

- अधिकारों की इसी समझदारी पर संयुक्त राष्ट्र के मानव अधिकारों का सार्वभौम घोषणा–पत्र बना है। यह उन दावों को मान्यता देने का प्रयास करता है, जिन्हें विश्व समुदाय सामूहिक रूप से गरिमा और आत्मसम्मान से परिपूर्ण जिंदगी जीने के लिए आवश्यक मानता है।

पूरी दुनिया के उत्पीड़ित जन सार्वभौम मानवाधिकार की अवधारणा का इस्तेमाल उन कानूनों को चुनौती देने के लिए कर रहे हैं, जो उन्हें पृथक करने वाले और समान अवसरों तथा अधिकारों से वंचित करते हैं। वे मानवता की अवधारणा की पुनर्व्याख्या के लिए संघर्ष कर रहे हैं, ताकि वे खुद को इसमें शामिल कर सकें।

Rights अधिकार

- **LEGAL RIGHTS AND THE STATE** कानूनी अधिकार और राज्यसत्ता

Rights अधिकार

LEGAL RIGHTS AND THE STATE

However, in most cases the claimed rights are directed towards the state. That is, through these rights people make demands upon the state. When I assert my right to education, I call upon the state to make provisions for my basic education. Society may also accept the importance of education and contribute to it on its own. Different groups may open schools and fund scholarships so that children of all classes can get the benefit of education. But the primary responsibility rests upon the state. It is the state that must initiate necessary steps to ensure that my right to education is fulfilled.

Rights अधिकार

कानूनी अधिकार और राज्यसत्ता

अधिकार राज्य को कुछ खास तरीकों से कार्य करने के लिए वैधानिक दायित्व सौंपते हैं। प्रत्येक अधिकार निर्देशित करता है कि राज्य के लिए क्या करने योग्य है और क्या नहीं। उदाहरण के लिए, मेरा जीवन जीने का अधिकार राज्य को एसे कानून बनाने के लिए बाध्य करता है, जो दूसरों के द्वारा क्षति पहुँचाने से मुझे बचा सके। यह अधिकार राज्य से माँग करता है कि वह मुझे चोट या नुकसान पहुँचाने वालों को दंडित करे। यदि कोई समाज महसूस करता है कि जीने के अधिकार का मतलब अच्छे स्तर के जीवन का अधिकार है, तो वह राजसत्ता से एसी नीतियों के अनुपालन की अपेक्षा करता है, जो स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण और अन्य आवश्यक निर्धारकों का प्रावधान करें। दूसरे शब्दों में, मेरा अधिकार यहां राजसत्ता को खास तरीके से काम करने के कुछ वैधानिक दायित्व सौंपता है।

Rights अधिकार

Thus, rights place an obligation upon the state to act in certain kinds of ways. Each right indicates what the state must do as well as what it must not do. For instance, my right to life obliges the state to make laws that protect me from injury by others. It calls upon the state to punish those who hurt me or harm me. If a society feels that the right to life means a right to a good quality of life, it expects the state to pursue policies that provide for clean environment along with other conditions that may be necessary for a healthy life. In other words, my right here places certain obligations upon the state to act in a certain way.

Rights अधिकार

अधिकार सिर्फ यह ही नहीं बताते कि राज्य को क्या करना है, वे यह भी बताते हैं कि राज्य को क्या कुछ नहीं करना है। मसलन, किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार कहता है कि राजसत्ता महज अपनी मर्जी से उसे गिरफ्तार नहीं कर सकती। अगर वह किसी को सलाखों के पीछे करना चाहती है, तो उसे इस कार्रवाई को जायज ठहराना पड़ेगा, उसे किसी न्यायालय के समक्ष इस व्यक्ति की स्वतंत्रता में कटौती करने का कारण बताना होगा। इसीलिए, मुझे पकड़ने के पहले गिरफ्तारी का वारंट दिखाना पुलिस के लिए आवश्यक होता है। इस प्रकार मेरे अधिकार राजसत्ता पर कुछ अंकुश भी लगाते हैं।

Rights अधिकार

To put it another way, our rights ensure that the authority of the state is exercised without violating the sanctity of individual life and liberty. The state may be the sovereign authority; the laws it makes may be enforced with force, but the sovereign state exists not for its own sake but for the sake of the individual. It is people who matter more and it is their well-being that must be pursued by the government in power. The rulers are accountable for their actions and must not forget that law exists to ensure the good of the people.

Rights अधिकार

दूसरे तरीके से कहा जाए, तो हमारे अधिकार यह सुनिश्चित करते हैं कि राज्य की सत्ता वैयक्तिक जीवन और स्वतंत्रता की मर्यादा का उल्लंघन किये बगैर काम करे। राज्य संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न सत्ता हो सकता है, उसके द्वारा निर्मित कानून बलपूर्वक लागू किए जा सकते हैं लेकिन संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न राज्य का अस्तित्व अपने लिए नहीं, बल्कि व्यक्ति के हित के लिए होता है। इसमें जनता का ही अधिक महत्त्व है और सत्तारूढ सरकार को उसके ही कल्याण के लिए काम करना होता है। शासक अपनी कार्यवाहियों के लिएजवाबदेह है और उसे हरगिज नहीं भूलना चाहिए कि कानून लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए ही होते हैं।

Rights अधिकार

KINDS OF RIGHTS अधिकारों के प्रकार

Rights अधिकार

- **RIGHTS AND RESPONSIBILITIES**

- **Rights not only place obligations upon the state to act in a certain way — for instance, to ensure sustainable development — but they also place obligations upon each of us. Firstly, they compel us to think not just of our own personal needs and interests but to defend some things as being good for all of us. Protecting the ozone layer, minimising air and water pollution, maintaining the green cover by planting new trees and preventing cutting down of forests, maintaining the ecological balance, are things that are essential for all of us. They represent the 'common-good' that we must act to protect for ourselves as well as for the future generations who are entitled to inherit a safe and clean world without which they cannot lead a reasonably good life. Secondly, they require that I respect the rights of others.**

Rights अधिकार

- अधिकार और जिम्मेदारियां अधिकार न केवल राज्य पर जिम्मेदारी डालते हैं कि वह खास तरीके से काम करे बल्कि हम सब पर भी जिम्मेदारी आयद करते हैं। उदाहरण के लिए टिकाऊ विकास का मामला लें। हमारे अधिकार हमें याद दिलाते हैं कि इसके लिए न केवल राज्य को कुछ कदम उठाने हैं, बल्कि हमें भी इस दिशा में प्रयास करने हैं। अधिकार हमें बाध्य करते हैं कि हम अपनी निजी ज़रूरतों और हितों की ही न सोचें, कुछ एसी चीज़ों की भी रक्षा करें, जो हम सब के लिए हितकर हैं। ओजोन परत की हिफाजत करना, वायु और जल प्रदूषण कम से कम करना, नए वृक्ष लगाकर और जंगलों की कटाई रोक कर हरियाली बरकरार रखना, पारिस्थितिकीय संतुलन कायम रखना आदि एसी चीज़े हैं, जो हम सब के लिए अनिवार्य हैं। ये आम भलाई की बातें हैं, जिनका पालन हमें अपनी और भावी पीढ़िया की हिफाजतके लिए भी अवश्य करना चाहिए। आने वाली पीढ़ियो भी सुरक्षित और स्वच्छ दुनिया पाने का हक है, इसके बिना वे बेहतर जीवन नहीं जी सकतीं। दूसरे, अधिकार यह अपेक्षा करते हैं कि मैं अन्य लोगों के अधिकारों का सम्मान करूँ।

Rights अधिकार

- Thirdly, we must balance our rights when they come into conflict. For instance, my right to freedom of expression allows me to take pictures; however, if I take pictures of a person bathing in his house without his consent and post them on the internet, that would be a violation of his right to privacy.
- तीसरे टकराव की स्थिति में हमें अपने अधिकारों को संतुलित करना होता है। मसलन, अभिव्यक्ति की आजादी का मेरा अधिकार मुझे तस्वीर लेने की अनुमति देता है, लेकिन अगर मैं अपने घर में नहाते हुए किसी व्यक्ति की उसकी इजाजत के बिना तस्वीर ले लूं और उसे इंटरनेट में डाल दूं, तो यह उसके गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन होगा।

Rights अधिकार

- **Fourthly, citizens must be vigilant about limitations which may be placed on their rights.**
- चौथे, नागरिकों को अपने अधिकारों पर लगाए जाने वाले नियंत्रणों के बारे में चौकस रहना होगा।